

# आरत का अख्तारपत्र

## The Gazette of India

EXTRACTIVE  
DICTIONARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

300  
28/11

• 506] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 21, 1989/भाद्र 30, 1911  
o. 506] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 21, 1989/BHADRA 30, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Pogling is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त भंगालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिकारना

नई दिल्ली 21 सितम्बर 1989

सं. 44/89 के अन्तर्याम उत्ताद-युल्क (एन. ई.)

सा. नि. 850 (अ) :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार  
केन्द्रीय उत्ताद-युल्क और नमक प्रधिकारियम, 1944 (1944 का 13) की विधा 4 के अधीन केन्द्रीय उत्ताद-  
युल्क के उद्योग की वाकत (जिसके अंतर्गत उत्ताद उद्योग किया जाना है) साधरणादा प्रत्यक्षित थी,

अनुप्रस्थ काट वर्ती लैंडाई  $\times$  गुणा रिम व्हर्ट 3: अनुसार मापे जाने वाले और केंद्रीय उत्पाद-गुला दीप्ति नियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपर्योग से, 4011.10 के अंदर जाने वाले  $4'' \times 8''$  और  $3.5'' \times 8''$  आकार के एड्सॉर्टी टायरों पर उत्पाद-गुला 1 मार्च, 1988 को प्राप्तम होने वाले और प्राप्तम होने वाले एड्सॉर्टी टायरों को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उक्त धरा 3 के अवैत उद्द्योग नहीं किया गया था :

और ऐसे एड्सॉर्टी टायरों पर किये उत्पाद-गुला की विस अधिनियम, 1988 (1988 का 26) के धरा 82 के उपनाम (1) के अवैत पूर्वी अवधि के दौरान उद्द्योग नहीं किया गया था;

अतः अब केंद्रीय सरकार, वयप वर्ग के अवैतितम को धरा 11 वाला प्रकल्प अधिकारों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देते हैं कि ऐसे एड्सॉर्टी टायरों पर धरा उक्त प्रथा न होने तो, द्रष्टव्यता, प्रथम कियने अधि नियम के अवैत वा उक्त अवैतित के अवैत पंदेवह समस्त उत्पाद-गुला और किये उत्पाद गुला ऐसे एड्सॉर्टी टायरों के तक गंदा हिंदू जल अंदरका तरीं हारा तिर पर रक्षा उत्पाद गुला और किये उत्पाद गुला उक्त प्रथा के अनुसार प्रयोग योग्य के दौरान उद्द्योग नहीं किया गया था।

[पा. सं. 99/122/88—के.उ.शु. 3]  
प्रम. वी. वी. गु. एवं दर्ज

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1989

No. 44/89—CENTRAL EXCISES (N.T.)

**G.S.R. 850 (E).**—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (Including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on A.D.V. tyres of sizes  $4'' \times 8''$  and  $3.5'' \times 8''$ , measured in terms of cross-sectional width  $\times$  rim diameter and falling under sub-heading No. 4011.10 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3, during the period commencing on the 1st day of March, 1988 and ending with the 28th day of February, 1989;

And whereas the special duty of excise on such A.D.V. tyres was also not being levied under sub-section (1) of section 82 of the Finance Act, 1988 (26 of 1988), during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act, or as the case may be, under the said Finance Act on such A.D.V. tyres, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such A.D.V. tyres, on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 99/22/88-CX, 3]

M. V. B. RAO, Under Secy.

